(घ) इन व्यक्तियों को उन देशों की, जहां वे रह रहे हैं नागरिकता दिलाने के लिये भारत सरकार क्या कर रही है ?

t[PERSONS OF INDIAN ORIGIN LIVING IN FOREI 3N COUNTRIES

1041. SARI AR GURCHARAN SINGH TOHR \ : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a large number of persoi s of Indian origin living in foreign count ies are not citizens of any country and . re. therefore, stateless persons;

(b) if so, wh; t is the number of such persons in each country;

(c) the manner in which the interests of these persons are Ix-insr looked after; and

(d) what step are being taken by the Government of I idia to help these persons to acquire cit eenship of the countries in which they ar i living ?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) और (ख) विभिन्न देशों में भारत मूलक ऐसे लोगों की संख्या जो राष्ट्रिकताहीन हैं या जिनके राष्ट्रीय स्तर निश्चित नहीं किए गए हैं, उनके बारे में एक विवरण सदन की मेज पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट LXX अनुपत्र संख्या 62]

(ग) और (घ) भारत सरकार भारतीय मूल के राष्ट्रिकताहीन व्यक्तियों की समस्याओं से अवगत है । संबद्ध देश के साथ अपने संबंधों और दायित्वों को अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार को तथा राष्ट्रिकताहीन व्यक्तियों का दर्जा तय करने वाले कानून और प्रथाओं को भी ध्यान में रखते हुए, सरकार जब जैसी जरूरत देखती है वैसी ही सहायता देती है ।

t[THEDEPUVY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AF FAIRS (SHI .1 SURENDRAPAL SINGH) : (a) a id (b) A statement con taining informal on regarding the number of persons of ndian origin in various countries who are Stateless or whose national status is un-determined is placed on the Table of the House. [*See* Appendix LXX, Annexure No. 62]

(c) and (d) The Government of India are aware of the problems of stateless persons of Indian origin and render assistance whenever necessary keeping in view the implications and obligations arising from our relations with the country concerned, international practice as well as usage and law governing the status of stateless persons.]

पश्चिमी बंगाल के मुख्य मंत्री तथा उप-मुख्य मंत्री के साथ कोसीजिन की बातचीत

1042. श्री राजनारायण : क्या वैदेशिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रूस के प्रधान मंत्री श्री कोसीजिन हनोई से लौटते हुये डमडम हवाई अड्डे पर लगभग डेढ़ घंटा रुके थे और उन्होंने पश्चिमी बंगाल के मुख्य मंत्री तथा उप-मुख्य मंत्री के साथ बातचीत की थी; और

(ख) यदि हां, तो बातचीत किस प्रकार की थी ?

KOSYGIN'S TALKS WITH CHIEF MINISTER AND DEPUTY CHIEF MINISTER OF WEST BENGAL

1042. SHRI RAJNARAIN : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Russian Prime Minister, Shri Kosygin stopped for about one hour and a half at the Dum Dum airport, on his return journey from **Hanoi** and had talks with the Chief Minister and the Deputy Chief Minister of West Bengal; and

(b) if so, what was the nature of their talks ?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्र-पाल सिंह) : (क) जब सोवियत मंत्रीमण्डल के अध्यक्ष श्री कोसीगिन 10 सितंबर, 1969 को हनोई से मास्को लौट रहे थे, तब उनका

जहाज कलकत्ता में ईंधन के लिए उतरा। भारत सरकार की ओर से, दमदम हवाई अड्डे पर पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री और उप मुख्य मंत्री ने उनका स्वागत किया।

(ख) सरकार इनकी बातचीत के ब्यौरे से अवगत नहीं है। परन्तु यह सर्वविदित है कि विदेशी राज्यों के साथ सरकारी स्तर पर बातचीत करना, केंद्रीय सरकार का काम है।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL YEFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) The Chairman of the Soviet Council of Ministers, Shri Kosygin made a refuelling halt at Calcutta during his return journey from Hanoi to Moscow on September 10, 1969. He was received at the Dura Dum airport on behalf of the Government of India by the Chief Minister and the Deputy Chief Minister of West Bengal.

(b) Government are not aware of the details of the talks held. However, it is well known that official discussions at Government level wich foreign States is the function of the Central Government.]

एशियाई सुरक्षा पैक्ट में चीन का प्रवेश

1043. **श्री राज नारायण :** क्या वैदेशिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि रूस चीन को एशियाई पैक्ट में लाने के लिये प्रयत्नशील है और हाल में पीकिंग में कोसिजिन और चाऊ-एन-लाई के बीच जो वार्ता हुई थी, उसमें यह बात आई थी ?

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्र-पाल सिंह) : सोवियत नेताओं ने एशिया के लिए सामूहिक सुरक्षा की आवश्यकता

CHINA'S ENTRY IN ASIAN SECURITY PACT

1043. SHRI RAJNARAIN : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state whether it is a fact that Russia is trying for the entry of China into the Asian Pact and this topic was discussed in the recent talks held between Kosygin and Ghao-En-Lai at Peking?]

का सार्वजनिक रूप से उल्लेख किया है। सोवियत अधिकारियों ने इसे और भी स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रस्ताव किसी खास देश के विरुद्ध नहीं है और न ही वे यह चाहते हैं कि एशिया का कोई देश इससे बाहर रहे।

सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि सितंबर 1969 में पीकिंग में अध्यक्ष कोसीगिन और प्रधान मंत्री चाऊ एन लाई की भेंट के समय इस विषय पर बातचीत हुई थी या नहीं। लेकिन, चीनी समाचारपत्रों ने और उसके प्रचार माध्यमों ने सोवियत नेताओं के सुझावों की निंदा की है।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : Soviet leaders have publicly referred to the need for collective securitv for Asia. It has been further clarified by Soviet authorities that the proposal was not directed against any particular country and that they did not seek to exclude any country in Asia from joining it.

Government are not aware whether this topic was discussed during the meeting held between Chairman Kosygin and Premier Chou-En-Lai in September, iggg at Peking. Chinese press and publicity media have, however, denounced the suggestions made by the Soviet leaders.]

विद्रोही मिज़ो

1044. **श्री राजनारायण :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस तथ्य का पता है कि हाल में 150 सशस्त्र विद्रोही मिजो पूर्वी पाकिस्तान की सीमा में से होकर भारत में घुस आये ; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

ffMizo REH:

144. SHRI RAJNARAIN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether Go 1 ,are of the fact that 150 armed Miso rebels